Note : If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

Arhat Vachan 2007 07

Folder No.	526575
Granth Name	Arhat Vachan 2007 07
Author	Anupam Jain
Publisher	Kundkund Gyanpith Indore
Edition	1
Year	2007
Pages	96

अर्हत् वचन २००७ ०७

फोल्डर नं.	५२६५७५
ग्रन्थ	अर्हत् वचन २००७ ०७
लेखक	अनुपम जैन
प्रकाशक	कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	२००७
पृष्ठ	९६

मुख्य टाइटल

संहितासूरि पं. नाथूलाल जैन शास्त्री-विनम्र श्रद्धांजली – डॉ. अनुपम जैन ---------- ३

वृक्ष एवं तीर्थंकर – नरेन्द्र नमि ---------- ७

शाकाहार बनाम अहिंसकाहार – सूरजमल जैन ---------- २३

सिद्धवरकूट-कतिपय तथ्य – सूरजमल बोथरा ---------- ३३

जैन धर्म में स्वस्तिक (साथियाँ) – जया जैन ---------- ३७

जैन धर्म-तत्कालीन ऐतिहासिक सरोकार – शिखरचन्द्र जैन, मनोजकुमार जैन ---------- ४१

दक्षिण भारत के राजवंश एवं उनका जैन संस्कृति का योगदान – रजनी जैन ---------- ४७

Indore a Glimpse of Malwa – Michael C Skinner----------59

Research Methodology and Nature of Proof : A visit to Jainism and Patanjali – P N Mishra, Pooja----------65

Scientific Aspects of Jainism – Y. K Jain----------73

जैन तो जैन ही रहेंगे – कोकलचन्द जैन ---------- ७७

Ego of an Artist – N Sachdeva----------79

Chaos-Order in Disorder – N Sachdeva----------81

पुस्तक समीक्षा ---------- ८३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org